आरबीआई सुधारों का बड़ा असर : 2018 के घाटे से 100 अरब डॉलर की कंपनी बनी एसबीआई, गवर्नर संजय मल्होत्रा का दावा

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com f ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 28 ● अंक : 41 ● नई दिल्ली ● 09 से 15 नवम्बर 2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

आरएसएस-भाजपा ने कभी नहीं गाया वंदे मातरम, सिर्फ नमस्ते सदा वत्सले : खड़गे का बड़ा वार

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को भाजपाऔर आरएसएस पर इस गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने और अपने कार्यालयों, शाखाओं, अपने ग्रंथों या साहित्य में इसे छूटने का आरोप लगाया, जबकि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक लोकप्रिय नारा है। खड़गे के अनुसार, आरएसएस भारत के राष्ट्रीय गीत की बजाय संगीतमय प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले गाना पसंद करता है। कांग्रेस पार्टी की परंपराओं से इसकी तुलना करते हुए, उन्होंने बताया कि 1986 से लेकर आज तक, कांग्रेस की हर बैठक, चाहे वह पूर्ण अधिवेशन हो या ब्लॉक स्तरीय बैठक, नेताओं ने वंदे मातरम गाया है। खड़गे ने गीत की 150 वीं वर्षगांठ पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह बहुत ही विडंबनापूर्ण है कि जो लोग आज राष्ट्रवाद के स्वयंभू संरक्षक होने का दावा करते हैं - आरएसएस और भाजपा, उन्होंने कभी भी अपनी शाखाओं या कार्यालयों में वंदे मातरम या हमारा राष्ट्रगान जन गण मन नहीं गाया। इसके बजाय, वे नमस्ते सदा वत्सले गाते रहते हैं, जो राष्ट्र का नहीं, बल्कि उनके संगठनों का महिमामंडन करने वाला गीत है। 1925 में अपनी स्थापना के बाद से, आरएसएस ने वंदे मातरम से परहेज किया है, इसके सार्वभौमिक सम्मान के बावजूद। इसके ग्रंथों या साहित्य में एक बार भी इस गीत का उल्लेख नहीं है। खड़गे की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में इस गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया, जहाँ उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बिहार के पटना में एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने एक साल तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की। स्वतंत्रता संग्राम में संघ की भूमिका की आलोचना करते हुए, खड़गे ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि आरएसएस ने अंग्रेजों का समर्थन किया, राष्ट्रीय ध्वज फहराने से इनकार किया, संविधान का दुरुपयोग किया और बाबा साहेब अंबेडकर के पुतले फूंके। खड़गे के बयान में कहा गया है, यह सर्वविदित तथ्य है कि आरएसएस और संघ परिवार ने राष्ट्रीय आंदोलन में भारतीयों के खिलाफ अंग्रेजों का समर्थन किया, 52 वर्षों तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, भारत के संविधान का दुरुपयोग किया, बापू और बाबा साहेब अंबेडकर के पुतले फूंके और सरदार पटेल के शब्दों में, गांधीजी की हत्या में शामिल रहे।

प्रियंका गांधी की सीईसी ज्ञानेश कुमार को सीधी चेतावनी- शांति से रिटायर नहीं होंगे आप

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राज्य में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रेगा में एक रैली के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और दो अन्य अधिकारियों पर खुलेआम निशाना साधकर आग में घी डालने का काम किया।

मंच पर प्रियंका गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार, अगर आप सोचते हैं कि आप शांति से रिटायर हो जाएँगे, तो ऐसा नहीं होगा। मैं जनता से कहती हूँ, ज्ञानेश कुमार का नाम कभी मत भूलना। उन्होंने एस.एस. संधू और विवेक जोशी का भी नाम लिया और जनता से उनके नाम याद रखने की अपील की, जिस पर उनके समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। प्रियंका गांधी ने कथित मतदान अनियमितताओं की आलोचना की और हरियाणा में कथित तौर पर वोटों से छेड़छाड़ का ज़िक्र किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जनता उन्हें धोखा देने की कोशिशों को माफ़ नहीं करेगी। उन्होंने अपनी चेतावनी दोहराते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार, एस.एस. संधू और विवेक जोशी सहित इसमें शामिल लोगों को, अगर लगता है कि ग़लत कामों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तो उन्हें चैन से सो जाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इससे पहले, राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान नतीजों में हेरफेर करने के लिए 25 लाख फर्जी वोटों का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने दावा किया कि चुनाव से पहले जानबूझकर कांग्रेस समर्थकों के वोट कम किए गए थे, और अपने बयान को 100फीसदी सच बताया। प्रियंका गांधी की टिप्पणी की राजनीतिक विरोधियों ने आलोचना की है और चल रही चुनावी प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक भाषण की सीमाओं और चुनाव अधिकारियों को धमकाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। बिहार में चुनाव पूरे जोरों पर हैं, ऐसे में यह विवाद आने वाले दिनों में सुर्खियों में रहने की संभावना है। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं, पहले चरण में 121 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए और दूसरे चरण में, जो 11 नवंबर को होना है, शेष 122 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान होगा। सभी सीटों के लिए मतगणना 14 नवंबर को होगी, जिससे राज्य में अगली सरकार का फैसला होगा। इस महत्वपूर्ण चरण में, चुनावी मैदान में प्रमुख नेताओं में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव और भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शामिल हैं।

राहुल गांधी बोले- नरेंद्र मोदी ने की चुनाव चोरी, मैं जेन-जेड को सचाई बताऊंगा

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह जनरेशन जेड और भारत के युवाओं को साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावों में हेराफेरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास बहुत सारी सामग्री है; हम इस प्रक्रिया को जारी रखेंगे। हम भारत की जनरेशन जेड और युवाओं को स्पष्ट रूप से दिखा देंगे कि नरेंद्र मोदी चुनाव चोरी के ज़रिए प्रधानमंत्री बने हैं और भाजपा चुनाव चोरी में लिप्त है। एक भाजपा नेता द्वारा कथित तौर पर दो जगहों पर मतदान करने पर उन्होंने कहा कि मैंने एक प्रेजेंटेशन दिया था कि हरियाणा चुनाव कोई चुनाव नहीं थे। वहाँ थोक चोरी हुई। मेरे द्वारा लगाए गए आरोपों - फ़र्ज़ी वोट, फ़र्ज़ी तस्वीर - पर चुनाव आयोग की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भाजपा इसका बचाव कर रही है, लेकिन मेरी बात को नकार नहीं रही है। मीडिया छोटे-छोटे उदाहरण उठा रहा है, जैसे एक ब्राज़ीलियाई महिला ने वोट दिया। एक ब्राज़ीलियाई नागरिक की तस्वीर पर वोट कैसे हो गया? इसके अलावा, गांधी ने आरोप लगाया कि भारत का चुनाव आयोग, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर चुनाव परिणामों में हेरफेर करके भारत के संविधान पर हमला कर रहा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि वास्तविकता यह है कि नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और चुनाव आयोग मिलकर संविधान पर हमला कर रहे हैं। संविधान कहता है एक व्यक्ति, एक वोट। हरियाणा दिखाता है कि वहाँ एक व्यक्ति, एक वोट नहीं था। वहाँ एक व्यक्ति, अनेक वोट था...वे बिहार में भी यही करने जा रहे हैं। ऐसा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और गुजरात में हुआ।

चुनावी पारदर्शिता पर सुप्रीम सख्ती, नामांकन पत्र में सजा छिपाने पर अमान्य होगा चुनाव

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नामांकन पत्र में दोषसिद्धि को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को कहा कि नामांकन पत्र में पिछली सजा का खुलासा न करने पर निर्वाचित उम्मीदवार को अयोग्य माना जाएगा। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर की पीठ ने पूर्व पार्षद पूनम द्वारा दायर की गई अपील पर यह आदेश दिया है। पार्षद को चुनाव के लिए नामांकन पत्र में एक मामले में अपनी पिछली सजा का खुलासा न करने के की वजह से पद से हटा दिया गया था। पूनम को मध्य प्रदेश के भीकनगांव नगर परिषद में नगर पार्षद पद से हटा दिया गया था। पूनम को चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया गया था। जिसमें उन्हें एक साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके साथ ही मुआवजा देने का निर्देश भी दिया गया था। इस मामले में याचिकाकर्ता की अयोग्यता से बचाने की याचिका को खारिज करते हुए, पीठ ने कहा, जब यह पाया जाता है कि किसी उम्मीदवार द्वारा पिछली दोषसिद्धि का खुलासा नहीं किया गया है, तो यह मतदाता द्वारा अपने मताधिकार के स्वतंत्र प्रयोग में बाधा उत्पन्न करता है। शीर्ष अदालत ने कहा, ये साफ है कि 1881 के अधिनियम की धारा 138 के तहत दोषसिद्धि का खुलासा न करके याचिकाकर्ता ने महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई है और इस प्रकार 1994 के नियम 24-ए(1) की अनिवार्य जरूरतों का पालन करने में विफल रही। इसलिए उसके नामांकन पत्र को स्वीकार करना सही नहीं है। चूंकि याचिकाकर्ता एक निर्वाचित उम्मीदवार थी, इसलिए उसका चुनाव रद्द कर दिया गया। इस प्रकार यह साफ है कि उसके नामांकन पत्र को इस तरह गलत तरीके से स्वीकार करने के कारण चुनाव पर भौतिक रूप से प्रभाव पड़ा। याचिकाकर्ता का यह तर्क भी विफल है। अपील खारिज कर दी गई।

आजम खान ने की अखिलेश यादव से मुलाकात, मीडिया से बोले- 2027 में आएगी बदलाव की लहर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनके आवास पर मिले। लगभग 30 मिनट तक चली इस मुलाकात को मौजूदा राजनीतिक माहौल में अहम माना जा रहा है। मुलाकात के बाद, आज़म खान ने कोई विस्तृत जानकारी देने से परहेज किया, लेकिन कहा कि वह अपने, अपने परिवार और समर्थकों के साथ हुए अन्याय की कहानी साझा करने आए थे। आज़म ख़ान ने कहा कि हमने एक-दूसरे से दिल की बात की। जब दो समान विचारधारा वाले राजनेता मिलते हैं, तो स्वाभाविक रूप से सार्थक चर्चाएँ होती हैं। सपा नेता ने कहा कि विपक्ष अक्सर अपने राजनीतिक हितों को साधने वाली टिप्पणियों का सहारा लेता है; हर पार्टी की अपनी विचारधारा और मान्यताएँ होती हैं। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि 2027 में बदलाव की लहर आएगी और मैं उसका हिस्सा बनूँगा। आज़म खान ने अपने और अपने सहयोगियों के साथ हुए व्यवहार को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा- हमारे साथ जो अन्याय हुआ है, उस पर हम आपस में चर्चा करते हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरे या किसी और जैसे अन्याय का सामना किसी और को न करना पड़े। हम अदालतों से न्याय और सभी एजेंसियों से निष्पक्षता चाहते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनके, उनके सहयोगियों और विश्वविद्यालय के साथ जो अन्याय हुआ है, वह किसी और के साथ नहीं होना चाहिए। बिहार में चल रहे जंगल राज के मुद्दे पर बोलते हुए, आज़म खान ने सार्वजनिक रूप से बिहार जाने से इनकार कर दिया और कहा, वहाँ जंगल राज की बात हो रही है, लेकिन जंगलों में तो कोई इंसान रहता ही नहीं। मैं वहाँ कैसे जा सकता हूँ? मैं जानबूझकर रेल की पटरियों पर सिर रखने से इनकार कर दूँगा। इस लाक्षणिक अभिव्यक्ति ने वहाँ के हालात के आगे झुकने से उनके इनकार को दर्शाया। अखिलेश यादव ने काव्यात्मक शब्दों में इस मुलाकात के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा, आज जब वे हमारे घर आए तो कितनी सारी यादें ताज़ा हो गईं! यह सभा हमारी साझी विरासत का प्रतीक है। उनके संदेश में पार्टी के भीतर एकता और एकजुटता के महत्व पर ज़ोर दिया गया।

सम्पादकीय

ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियां

जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों ने पूरी दुनिया को अस्थिर कर दिया है, ऐसे समय में सभी देशों के लिए अपने संबंधों को नया रूप देना और मौजूदा रिश्तों को और मजबूत करना आवश्यक हो गया है। साथ ही, नए गठजोड़ बनाना भी समय की मांग है। यही कारण है कि हर देश अपने कूटनीतिक रीसेट बटन को दबा रहा है। भारत भी इससे अलग नहीं है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया, तो वे भी यही कर रहे थे और यह रणनीति सफल साबित हुई, क्योंकि इससे ट्रंप को अपना रुख बदलने पर मजबूर होना पड़ा। पिछले वर्ष सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता शी चिनफिंग के बीच बनी निकटता ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष ध्यान आकर्षित किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने टिप्पणी की थी, लगता है हमने भारत और रूस को चीन की गहराइयों में खो दिया है। हालांकि, ट्रंप ने भी जल्द ही चीन के साथ संबंध सुधारने की दिशा में कदम बढ़ाया, जिस पर अमेरिका ने पहले भारी शुल्क लगाए थे। हाल में दक्षिण कोरिया में हुई मुलाकात के दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच हाथ मिलाना, मुस्कानें और धीमी बातचीत देखने को मिलीं, इस बैठक को ट्रंप ने रिपोर्टों के अनुसार 12 में से 12 अंक वाला बताया था। इसी पृष्ठभूमि में भारत को भी ट्रंप की ही भाषा में कहें तो 12 में से 12 अंक वाले दोस्ताना रिश्तों की जरूरत है। इसी संदर्भ में भारत और मोरक्को के बीच बढ़ते संबंध महत्त्वपूर्ण हैं। भारत और मोरक्को की साझेदारी रक्षा और सैन्य सहयोग, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा, ऊर्जा रूपांतरण और स्थायित्व जैसे कई अहम क्षेत्रों तक फैली हुई है। दोनों देश नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता देते हैं -मोरक्को अफ्रीका में हरित ऊर्जा का अग्रणी बनना चाहता है, जबकि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिरता की छाप को मजबूत करने के प्रयास में है। इसके अलावा, दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे प्रयासों के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ कर रहे हैं तथा आतंकवाद जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ा रहे हैं। इसलिए जब भारत में मोरक्को के राजदूत मोहम्मद मलिकी भारत-मोरक्को द्विपक्षीय संबंधों को लेकर उत्साहित नजर आते हैं, तो यह स्वाभाविक है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, भारत हमारा रणनीतिक साझेदार है, और मेरा मानना है कि खाद्य एवं स्वास्थ्य सुरक्षा ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हम बहुत निकटता से मिलकर कार्य कर सकते हैं। हमारे बीच संबंध वास्तव में उससे कहीं अधिक गहरे हैं, जितना लोग समझते हैं। इसके अलावा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर भी हमारे बीच मजबूत साझेदारी है। इन सभी क्षेत्रों में दोनों देशों की ओर से दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई देती है, और मुझे विश्वास है कि हम रक्षा और औषधि उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रगति कर सकते हैं। कई राजनयिकों के विपरीत, मोहम्मद मलिकी अपने शब्दों को नापतोल कर नहीं बोलते, वे बेबाक, स्पष्ट और जीवन के हर पहलू का पूरे उत्साह से आनंद लेने वाले व्यक्ति हैं। राजनयिक होने के साथ-साथ लेखक भी, मलिकी एक बहुआयामी व्यक्तित्व हैं, उन गिने-चुने लोगों में से एक, जिन्होंने शक्ति और जीवन के दबावों के बीच संतुलन साधने की कला विकसित की है, चाहे वह उनके राजनयिक जीवन से पहले हो या बाद में। भारत से इतर, उनकी बातचीत कई विषयों को छूती है । कराची में हुए बम विस्फोट से लेकर राजनीतिज्ञ शशि थरूर और उद्योगपति रतन टाटा तक, जिन्हें वे कई भारतीयों के लिए देवता समान मानते हैं। वे अपने छात्र जीवन की याद भी साझा करते हैं, जब उन्होंने आइसक्रीम बेचकर पैसे कमाए। भारत में रहकर उन्होंने एक दिलचस्प बात सीखी ङ्क भारतीयों को खाने पर बुलाइए, लेकिन कभी मंगलवार को नहीं। अपने व्यक्तित्व को आकार देने वाले वर्षों में उन पर सबसे बड़ा प्रभाव उनके पिता का रहा, जिन्हें वे अपने समय से आगे का व्यक्ति बताते हैं। जहां उनकी मां सामान्य माताओं की तरह संरक्षण देने वाली थीं, वहीं पिता ने उन्हें अनुशासन सिखाया ङ्क कभी-कभी यादा कठोर, लेकिन अब पीछे मुड़कर देखता हूं तो वही सबसे सही तरीका था, वे कहते हैं। पैसे को लेकर मलिकी का दृष्टिकोण भी अनोखा है , मैं यह नहीं पूछता कि हमारे पास खर्च करने के लिए पैसा है या नहीं। अगर मुझे किसी कार्य की उपयोगिता पर विश्वास है, तो मैं पहले निर्णय लेता हूं और फिर उसके लिए जरूरी धन की व्यवस्था करता हूं। आम तौर पर लोग पहले बजट देखते हैं, फिर काम शुरू करते हैं, लेकिन मेरा तरीका उलटा है। पहले काम शुरू कीजिए, पैसा अपने आप निकल आता है। यही कारण है कि अंततः आप अपेक्षा से अधिक कार्य कर पाते हैं, क्योंकि सीमाओं से बंधे नहीं होते। यह सिद्धांत उन्होंने राजदूत रहते हुए भी अपनाया और छात्र जीवन में भी। विश्वविद्यालय के दूसरे वर्ष के बाद मैंने माता-पिता से एक पैसा भी नहीं लिया, वे बताते हैं। गर्मियों की छुट्टियों में मैं फ्रांस जाता था, समुद्र तटों का आनंद लेता और साथ में आइसक्रीम बेचता था। आइसक्रीम खुद बनाता था और हर बार अच्छी कमाई करके लौटता था। वे हंसते हुए जोड़ते हैं, शुरूआत में मैंने पिता से उधार लिया था, लेकिन बाद में उन्हें उसकी दुगुनी-तिगुनी रकम लौटा दी। उनकी सफलता का रहस्य क्या था? जब बाकी विक्रेता दोपहर में आराम करने चले जाते थे, मैं धूप में बेचने निकल जाता था। मैं न तो यादा चालाक था, न ही होशियार। बस मोरक्को से आया था और सूरज की आदत थी। दोपहर के एक से तीन बजे के बीच बाकी सब चले जाते और मैं उस वक्त दोगुनी बिक्री कर लेता। मैंने समुद्र तट पर बच्चों से भी दोस्ती कर ली थी। वे अपने माता-पिता से कहते कि हम मोहम्मद से ही आइसक्रीम लेंगे। इस तरह मुझे अक्सर अतिरिक्त इनाम भी मिलते। उन्होंने आइसक्रीम बनाना भी एक रेसिपी बुक से सीखा, जिसने उनकी कमाई और बढ़ा दी। जब मैं मोरक्को लौटता था, तब मेरे पास इतना पैसा होता कि एक नहीं, कभी-कभी दो साल तक भी आराम से गुजारा हो जाता, वे मुस्कुराते हुए याद करते हैं। गंभीरता से बात करें तो मलिकी दोस्ती में गहरा विश्वास रखते हैं। वे कहते हैं, मैं हर दिन इसे जीता हूं, हर दिन इसे देखता हूं, और अपनी मित्रताओं को सहेजता और महत्व देता हूं। लेखक होने के नाते दर्शनशास्त्र उनके जीवन, समय और कार्यों में गहराई से रचा-बसा है। मैं कौन हूं? मैं कहां से आया हूं? पीड़ा क्या है? ये वे प्रश्न हैं, जिनका उत्तर उन्होंने अपनी आगामी पुस्तक में खोजने का प्रयास किया है। वे बताते हैं, यह एक परंपरागत आत्मकथा नहीं, बल्कि एक गैर-परंपरावादी आत्मकथा है, जिसमें उन घटनाओं का उल्लेख है जिन्होंने मुझे गहराई से प्रभावित किया। इनमें सीखें भी थीं, गलतियां भी, और कुछ ऐसे क्षण जो जीवन बदल देने वाले साबित हुए। हालांकि, वे पुस्तक के प्रकाशन से पहले अधिक विवरण साझा करने से बचते हैं। फिर भी वे कुछ अनुभवों का जिक्र करते हैं , घर में चोरी, कराची में बम धमाका जिससे मैं बाल-बाल बचा, और एक भूकंप का सामना। वे बताते हैं, कैमरून में चोरी मेरी शादी से कुछ महीने पहले हुई थी। उस समय मेरे पास अच्छी-खासी रकम और खरीदी हुई वेलरी थी। कराची में बम धमाका उस समय हुआ जब अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश वहां आए हुए थे, और मैं उसी इलाके के एक होटल में ठहरा था। वह कहते हैं, वहीं मैंने आतंकवाद को करीब से देखा। आम तौर पर हमें लगता है कि ऐसा दूसरों के साथ होता है, हमारे साथ नहीं। हम आतंकवाद के बारे में पढ़ते हैं, फिल्मों में देखते हैं, लेकिन खुद को उससे अलग मानते हैं। पर जब आप खुद उसके बीच में होते हैं, तब बहुत से सवाल उठते हैं। यहीं वे रुक जाते हैं और आगे की बातों पर मुस्कुरा कर कहते हैं, बाकी सब जानने के लिए आपको मेरी किताब पढ़नी होगी। अंत में वे जोड़ते हैं, जब आप किसी आपदा से बच जाते हैं, तब समझ में आता है कि ईश्वर ने आपको अतिरिक्त समय दिया है और फिर सवाल उठता है कि उस समय का उपयोग सबसे बेहतर तरीके से कैसे किया जाए। उनकी भारत यात्रा पहली बार 1990 के दशक में हुई थी, जब उनका मुख्य उद्देश्य आगरा में ताजमहल देखना था। तब से बहुत कुछ बदल चुका है- ट्रैफिक भी।

न्यूयॉर्क के मेयर भारतीय मूल के ट्रंप विरोधी ममदानी चुने गए-यह भारत के लिए गर्व है या चुनौती या फिर भारतीय राजनीतिक फंडा 'रेवड़ियां बांटो और राज करो' का अमेरिकी संस्करण?

वैश्विक स्तरपर न्यूयॉर्क शहर, जो अमेरिका की आत्मा और लोकतंत्र की जीवंत प्रयोगशाला कहा जाता है,आज 180 से अधिक देशों केप्रवासियों का घर है।भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी,और अफ्रीकी समुदाय यहाँ एक नई सामाजिक पहचान बना चुके हैं।वहाँ ट्रंप विरोधी भारतीय मूल के जोहरानममदानी का मेयर चुना जाना केवल एक स्थानीय राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय प्रवासी प्रभाव, राजनीतिक संस्कृति और विचारधारा के वैश्विक प्रसार का संकेत है।यह जीत अमेरिका में दक्षिण एशियाई समुदाय की नई राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाती है।लेकिन इस विजय के साथ एक सवाल गूंज रहा है,क्या ममदानी की जीत भारत के लिए गर्व का विषय है या एक ऐसी चुनौती? यहीं पर प्रश्न उठता है,क्या ममदानी की विचारधारा भारत के हितों के साथ हमेशा मेल खाएगी ममदानीडेमोक्रेटिक सोशलिस्टहैं,जो कई बार अमेरिकी विदेश नीति पर खुलकर आलोचना करते रहे हैं।उन्होंने फ़िलिस्तीन, कश्मीर, और अल्पसंख्यक अधिकारों पर कई बार भारत की नीतियों की आलोचना की है।

यदि वे भविष्य में अपने मेयर पद से ऐसे रुख़ अपनाते हैं जो भारत की नीतियों से असहमत हों, तो यह भारतीय कूटनीति के लिए असहज स्थिति बन सकती है।भारत के लिए यह जरूरी होगा कि वह भारतीय मूल और भारतीय हित के बीच अंतर को संतुलित रूप से समझे।क्योंकि हर भारतीय मूल का नेता आवश्यक नहीं कि भारत के हितों का प्रतिनिधि हो,वे अपने देश की नीतियों के अनुसार काम करते हैं। दूसरी ओर हमें यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या भारतीय राजनीति का रेवड़ी मॉडल अब अमेरिका जैसे लोकतंत्र में भी सफल प्रयोग बन गया है?बीते दो दशकों में अमेरिका में भारतीय मूल के नेताओं का उदय लगातार बढ़ा है।कमला हैरिस उपराष्ट्रपति बनीं, नीरज अंटनी, अजय बंगा और नील कत्याल जैसे नाम अमेरिकी प्रशासन और न्यायिक ढांचे में प्रमुख हुए। लेकिन न्यूयॉर्क जैसे शहर में मेयर पद तक पहुँचना एक अलग ही ऐतिहासिक मुकाम है। ममदानी नें अपने अभियान में समानता, सामाजिक सुरक्षा,और सबके लिए आवास जैसे वादों को केंद्रीय मुद्दा बनाया। उन्होंने खुले तौर पर अरब-अफ्रीकी-अमेरिकी और प्रवासी समुदायों के हितों की वकालत की। उनके भाषणों और नीतिगत प्रस्तावों में भारत जैसी सामाजिक समानता की मांग झलकती थी। यही कारण है कि कई अमेरिकी विश्लेषक उन्हें भारतीय जन कल्याण मॉडल का अमेरिकी अवतारकह रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह संभावना दर्शा रहा हूं किममदानी की जीत के पीछे की सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि की नजर से देखा जा रहा है,न्यूयॉर्क एक ऐसा शहर है जहाँ जातीय, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक साथ धड़कती है। वहाँ गरीबी और महंगाई से जूझता वर्ग न्यायपूर्ण समाज की तलाश में रहता है। ममदानी ने इन्हीं वर्गों को लक्ष्य बनाया उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिक कल्याण है।यह विचार भारतीय लोकतंत्र के उस विमर्श से जुड़ा है जहाँ सामाजिक कल्याण योजनाएँ (रेवड़ियां) गरीबों को राहत देने के साथ राजनीतिक लोकप्रियता का आधार बनती हैं। ममदानी ने इसी रणनीति को अमेरिकी शहरी परिदृश्य में रूपांतरित किया,जैसे फ्री ट्रांसपोर्ट , हाउसिंग सब्सिडी, और हेल्थ कार्ड जैसी योजनाएँ। आलोचकों के अनुसार, यही रेवड़ी राजनीति का वैश्विक ट्रांसप्लांट है। साथियों बात अगर हम रेवड़ी संस्कृति का अमेरिकी प्रयोग, एक भारतीय राजनीतिक निर्यात को समझने की करें तो,भारतीय राजनीति में रेवड़ी संस्कृति शब्द भारतीय पीएम ने लोकप्रिय किया था, जब उन्होंने मुफ्त सुविधाओं को राजनीतिक प्रलोभन कहा। यह शब्द आज राजनीतिक विमर्श का प्रतीक बन चुका है। लेकिन जोहरान ममदानी की राजनीतिक सफलता ने इस मॉडल को एक नया अंतरराष्ट्रीय संदर्भ दे दिया है।उनकी चुनावी रणनीति में फ्री ट्रांजिट पास, न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, और हाउसिंग क्रेडिट जैसी घोषणाएँ थीं। अमेरिकी मीडिया ने इसे सोशलिस्ट पॉपुलिज़्म कहा, जबकि भारतीय सोशल मीडिया ने इसे भारतीय स्टाइल रेवड़ी पॉलिटिक्स की जीत बताया। यह सवाल अब वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन गया है,क्या कल्याण योजनाएँ जनता की वास्तविक जरूरत हैं या लोकतंत्र में जन-समर्थन जुटाने का हथियार? साथियों बात अगर हम भारत के लिए गर्व चुनौती या राजनीतिक प्रतिबिंब का खतरा? भारत के दृष्टिकोण से देखा जाए तो ममदानी की जीत प्रवासी भारतीयों के प्रभावशाली उदय का प्रतीक है। भारतीय मूल का व्यक्ति अमेरिका के सबसे बड़े शहर का मेयर बने,यह न केवल भारतीय लोकतंत्र की बौद्धिक शक्ति का प्रमाण है, बल्कि प्रवासी समुदाय की एकता और नेतृत्व क्षमता का भी।परंतु इसके भीतर छिपा खतरा यह है कि ममदानी डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं,जो कई बार अमेरिकी विदेश नीति पर खुलकर आलोचना करते रहे हैं।उन्होंने फ़िलिस्तीन, कश्मीर, और अल्पसंख्यक अधिकारों पर कई बार भारत की नीतियों की आलोचना की है,भारत का राजनीतिक फंडा यानी कल्याण योजनाओं के माध्यम से वोट बैंक बनाना, यदि अमेरिकी प्रणाली में भी स्वीकार्यता पा रहा है, तो यह लोकतंत्र के वैश्विक स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण संकेत है।जहाँ भारत में रेवड़ी शब्द को आलोचना के रूप में देखा जाता है,वहीं ममदानी ने इसे सामाजिक न्याय के रूप में पैकेज कर दिया। यह वैचारिक पुनर्परिभाषा भारत के लिए गौरव का भी विषय है कि उसके मॉडल को वैश्विक मंच पर जगह मिली, और चिंता का भी कि क्या लोकतंत्र अब फ्री गिफ्ट पॉलिटिक्स की दिशा में जा रहा है?

साथियों बात कर हम ममदानी और ट्रंप विचारधारात्मक टकराव की प्रस्तावना को समझने की करें तो,ट्रंप के दौर में अमेरिकी राजनीति ध्रुवीकरण और राष्ट्रवाद की ओर बढ़ी थी। वहीं ममदानी जैसे नेता उस प्रवृत्ति के विरुद्ध खड़े हैं जो सामाजिक न्याय, अल्पसंख्यक अधिकार और प्रवासियों की आवाज़ को मुख्यधारा में लाते हैं।ममदानी की नीतियाँ ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के ठीक उलट हैं। वह कम्युनिटी फर्स्ट की बात करते हैं। यह विचारधारा का संघर्ष केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति के उस नए दौर को दर्शाता है जहाँ दक्षिण एशियाई सोच और पश्चिमी पूंजीवाद आमने-सामने खड़े हैं।भारत के संदर्भ में, यह स्थिति वैसी ही है जैसे नरेंद्र मोदी की आर्थिक राष्ट्रवाद की नीति के विपरीत, भारतीय राज्यों में समाजवादी मॉडल अपनाने वाले दलों की लोकप्रियता।इस प्रकार, न्यूयॉर्क का चुनाव परिणाम एक वैश्विक वैचारिक मिरर बन गया है। साथियों बात अगर हम डेमोक्रेटिक पार्टीमें नई विचारधारा की बयार को समझने की करें तो, ममदानी का उदय डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर भी एक नई दिशा की ओर संकेत है। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज और बर्नी सैंडर्स जैसे नेताओं की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने शहरी समाजवादका नया रूप प्रस्तुत किया।उनकी नीतियों में भारतीय मूल के समाजवादी चिंतन का असर स्पष्ट दिखता है,जहाँ सरकारी कल्याण और जनसहभागिता को समान महत्व दिया जाता है। वे कहते हैं, गरीबी किसी व्यक्ति की असफलता नहीं, बल्कि नीति की असफलता है।यह कथन भारतीय संविधान की समाजवादी मूल भावना से मेल खाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि ममदानी ने भारतीय समाजवाद को अमेरिकी राजनीतिक संदर्भ में पुनर्जीवित किया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय मीडिया और जनता कीप्रतिक्रिया को समझने की करें तो,भारत में ममदानी की जीत को लेकर दो प्रकार की प्रतिक्रियाएँ आईं। एक ओर उन्हें भारत की सॉफ्ट पावर और बौद्धिक नेतृत्व का प्रतीक बताया गया, तो दूसरी ओर आलोचकों ने कहा कि उन्होंने भारतीय राजनीति की रेवड़ी संस्कृति को अमेरिका में निर्यात कर दिया।भारतीय सोशल मीडिया पर मीम्स और चर्चाओं में कहा गया कि अब न्यूयॉर्क भी दिल्ली हो गया। वहीं कुछ उदारवादी चिंतकों ने इसे समानता के वैश्वीकरण का प्रतीक बताया।यह विभाजन स्वयं भारत की वैचारिक विभाजन रेखाओं को प्रतिबिंबित करता है,जहाँ समाजवादी कल्याण और आर्थिक व्यवहारिकता के बीच संतुलन अब भी एक अत्यंत जटिल सवाल है। साथियों बात अगर हम वैश्विक राजनीति में भारतीय विचारधारा का प्रसार को समझने की करें तो,यदि इस जीत को व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह भारतीय राजनीतिक विचारों के वैश्विक प्रसार का संकेत है। भारत ने पिछले दशक में वेलफेयर पॉलिटिक्स को लोकतांत्रिक रूप से वैध बना दिया है। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में जब यही मॉडल स्वीकार किया जाता है, तो यह दर्शाता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और समाज दोनों एक संक्रमण काल में हैं,जहाँ बाजार आधारित शासन से हटकर मानवीय कल्याण आधारित शासन की ओर झुकाव बढ़ रहा है। ममदानी की जीत इस बात की भी पुष्टि करती है कि भारतीय लोकतंत्र केवल सीमाओं के भीतर नहीं, बल्कि एक वैचारिक निर्यात बन चुका है। साथियों बात अगर हम भारत-अमेरिका संबंधों पर संभावित प्रभाव को समझनेकी करें तो, ममदानी केविचार कई बार अमेरिकी विदेश नीति के परंपरागत ढांचे से टकरा सकते हैं। उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान गाज़ा, फिलिस्तीन और शरणार्थी अधिकारों पर प्रखर रुख अपनाया था। यह भारत की मध्य-पूर्व नीति से मेल खाता है लेकिन अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान से नहीं।यदि वे न्यूयॉर्क जैसे वैश्विक वित्तीय केंद्र में प्रभावशाली नीतियाँ लागू करते हैं, तो यह अमेरिका की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं को भी प्रभावित करेगा।भारत के लिए यह स्थिति अवसर और चुनौती दोनों है,अवसर इसलिए कि एक भारतीय मूल का नेता विश्व मंच पर भारत की बौद्धिक विरासत का विस्तार कर रहा है।

और चुनौती इसलिए कि वह अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान में एक ऐसी वैचारिक धारा का प्रतिनिधित्व करता है जो भारत की वर्तमान राजनीतिक विचारधारा से भिन्न है। साथियों बातें कर हम रेवड़ी या रिवोल्यूशन दो दृष्टिकोणों का संघर्ष को समझने की करें तो,ममदानी के वादों को लेकर जो विवाद है, वह केवल फ्री गिवअवे की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक पुनर्संतुलन की बहस है। उनके समर्थक कहते हैं कि यह रेवड़ी नहीं, बल्कि समान अवसर का विस्तार है।उदाहरण के लिए, मुफ्त ट्रांसपोर्ट स्कीम को वे समान गतिशीलता का अधिकार कहते हैं; जबकि विरोधी इसे करदाताओं पर बोझ बताते हैं।भारत में भी यही विमर्श चलता है,क्या सरकारी योजनाएँ गरीबों को सशक्त बनाती हैं या उन्हें निर्भर बनाती हैं? इस प्रश्न का कोईसार्वभौमिक उत्तर नहीं, लेकिन ममदानी की जीत ने इसे वैश्विक विमर्श बना दिया है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करेंतो हम पाएंगे कि ममदानी की जीत - गौरव, चुनौती और प्रयोग तीनों का संगम है, ममदानी की जीत केवल एक चुनावी घटना नहीं,बल्कि भारतीय विचारधारा, समाजवादी चेतना और राजनीतिक व्यावहारिकता के वैश्विक प्रभाव का दस्तावेज़ है।भारत के लिए यह गर्व का विषय है कि उसकी संतानों ने लोकतंत्र के सबसे विकसित मंच पर भी अपनी छाप छोड़ी है।परंतु यह चेतावनी भी है कि यदि लोकतंत्र केवल मुफ्त योजनाओं पर आधारित होता चला गया, तो वह आर्थिक स्थिरता के बजाय भावनात्मक निर्भरता में बदल सकता है।ममदानीडेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं,जो कई बार अमेरिकी विदेश नीति पर खुलकर आलोचना करते रहे हैं।उन्होंने फ़िलिस्तीन, कश्मीर, और अल्पसंख्यक अधिकारों पर कई बार भारत की नीतियों की आलोचना की है इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि ममदानी की जीत भारत के लिए न केवल गर्व है, बल्कि चुनौती भी हैं।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

लीजेंड कमल हासन का 71वां जन्मदिन, 250+ फिल्में और 5 नेशनल अवॉर्ड की अनसुनी कहानी

साउथ इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाने वाले अभिनेता कमल हासन आज यानी की 07 नवंबर को अपना 71वां जन्मदिन मना रहे हैं। कमल हासन अभिनेता और फिल्ममेकर होने के अलावा राजनेता भी हैं। वह तमिलनाडु के रायसभा के सदस्य हैं। अभिनेता ने मलयालम, तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और बंगाली भाषाओं में करीब 250 से अधिक फिल्में बनाई हैं। वहीं अपने फिल्मी करियर में कमल हासन ने 5 नेशनल अवॉर्ड और 20 फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं। तमिलनाडु के परमकुडी में 07 नवंबर 1954 को कमल हासन का जन्म हुआ था। दरअसल, कमल हासन के पिता चाहते थे कि उनके तीनों बच्चों में कम से कम एक बच्चा जरूर अभिनेता बने। अपने पिता की चाहत को पूरा करने के लिए कमल हासन ने अभिनेता बनने का निश्चय किया। वहीं 70 के दशक में पिता द्वारा जोर दिए जाने पर कमल हासन ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और अपना पूरा ध्यान फिल्म इंडस्ट्री की ओर लगा दिया। कमल हासन ने अपने फिल्मी करियर की शरूआत महज 5 साल की उम्र में कर दी थी। साल 1960 में आई फिल्म कलाथुर कन्नम्मा में उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद साल 1974 में आई फिल्म कन्याकुमारी में कमल हासन लीड एक्टर थे। इस फिल्म के लिए उनको पहला बेस्ट एक्टर फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। इसके बाद साल 1981 में उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और बॉलीवुड में अभिनेता की डेब्यू फिल्म एक दूजे के लिए थी। इसके बाद कमल हासन ने चाची 420, सदमा, सागर, गिरफ्तार और हे राम जैसी फिल्मों में काम करके हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। फिल्म चाची 420 बॉलीवुड में सुपरहिट साबित हुई और इस फिल्म में अभिनेता के अभिनय को काफी पसंद किया गया था। कमल हासन अपने चार दशक के लंबे सिने करियर में करीब 200 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके हैं और अपने अभिनय का जौहर दिखा चुके हैं। कमल हासन का नाम कई महिलाओं के साथ जुड़ा। साल 1970 के दशक में उनका नाम ऐक्ट्रेस श्रीविद्या के साथ जुड़ा।

60 करोड़ के महाघोटाले में फँसे शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा! ईओडब्ल्यू को मिले फंड डायवर्जन के सबूत

आर्थिक अपराध शाखा ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी को 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में तलब किया है। धोखाधड़ी मामले की फोरेंसिक ऑडिट का भी आदेश दिया गया है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने व्यवसायी राज कुंद्रा की बेस्ट डील प्राइवेट लिमिटेड के एक पूर्व कर्मचारी को कथित 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में तलब किया था। बेस्ट डील प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के वित्तीय लेन-देन की जाँच के लिए अगले हफ़्ते एक फ़ोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया जाएगा। सभी पूर्व कर्मचारियों और शेयरधारकों के बयान दर्ज करने के बाद, ज़रूरत पड़ने पर ईओडब्ल्यू कुंद्रा को आगे की पूछताछ के लिए वापस बुला सकती है। सूत्रों ने इंडिया टुडे टीवी को बताया मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को कथित तौर पर ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा ने 2015 में एक एनबीएफसी द्वारा दर्ज 60 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी के मामले में धन की हेराफेरी की थी। ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जाँच और दर्ज बयानों से संकेत मिलता है कि व्यवसायी दीपक कोठारी की एनबीएफसी से उनकी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के लिए उधार ली गई धनराशि को संबंधित कंपनियों के माध्यम से डायवर्ट और गबन किया गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, ईओडब्ल्यू अब धन के सटीक मार्ग और उपयोग का पता लगाने के लिए एक तृतीय-पक्ष सलाहकार के माध्यम से फोरेंसिक ऑडिट कराने की तैयारी में है। अधिकारियों ने कहा कि ऑडिट यह निर्धारित करेगा कि धन का गबन कैसे किया गया और क्या इसका उपयोग शेट्टी और कुंद्रा से कथित रूप से जुड़ी अन्य कंपनियों, जैसे सतयुग गोल्ड, वियान इंडस्ट्रीज, एसेंशियल बल्क कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और स्टेटमेंट मीडिया को भुगतान करने के लिए किया गया था। अधिकारियों को संदेह है कि धनराशि को व्यावसायिक व्यय के रूप में दिखाया गया था - जिसमें अंतर्राष्ट्रीय यात्रा, प्रसारण, भंडारण और कार्यालय लागत शामिल हैं - जो शायद मनगढ़ंत हो। ईओडब्ल्यू के सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि बेस्ट डील टीवी द्वारा नियोजित एक कूरियर कंपनी और एक मीडिया समाधान फर्म सहित कई विक्रेताओं को, दंपति द्वारा किए गए दावों के बावजूद, कभी भुगतान नहीं किया गया। एजेंसी जल्द ही इन फर्मों के पूर्व कर्मचारियों को उनके बयान दर्ज करने के लिए बुलाएगी। इससे पहले, राज कुंद्रा से लगभग पाँच घंटे तक पूछताछ की गई। उन्होंने कथित तौर पर जाँचकर्ताओं को बताया कि 60 करोड़ रुपये शुरू में ऋण के रूप में लिए गए थे, लेकिन बाद में उन्हें इक्विटी में बदल दिया गया। उन्होंने दावा किया कि 20 करोड़ रुपये प्रसारण शुल्क, सेलिब्रिटी विज्ञापनों और अन्य प्रचार खर्चों पर खर्च किए गए। कुंद्रा ने ब्रांड प्रचार के लिए भुगतान किए गए लोगों में अभिनेत्रियों बिपाशा बसु और नेहा धूपिया का नाम लिया और सबूत के तौर पर तस्वीरें भी उपलब्ध कराईं। हालांकि, ईओडब्ल्यू को धन प्रवाह में विसंगतियां मिलीं। बहुसंख्यक शेयरधारक होने के बावजूद, शिल्पा शेट्टी ने कथित तौर पर बेस्ट डील टीवी के विज्ञापन के लिए 15 करोड़ रुपये की सेलिब्रिटी फीस ली, जिसे कंपनी के खर्च के रूप में दिखाया गया। शेट्टी ने अधिकारियों को बताया कि उन्हें उनसे जुड़ी एक विज्ञापन एजेंसी के ज़रिए एक मॉडल के तौर पर भुगतान किया गया था। अधिकारियों ने यह भी बताया कि शिकायतकर्ता की एनबीएफसी को इक्विटी शेयर देने से पहले कोई मूल्यांकन नहीं किया गया था, जिससे संदेह और बढ़ गया। कुंद्रा ने दावा किया कि नोटबंदी के कारण उनके व्यवसाय को भारी नुकसान हुआ क्योंकि यह मुख्य रूप से कैश-ऑन-डिलीवरी मॉडल पर चलता था, जिसके कारण अंततः उन्हें बंद करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि पोर्नोग्राफी मामले की जाँच के दौरान साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने पहले भी अन्य हस्तियों से जुड़ी प्रचार सामग्री और वीडियो ज़ब्त किए थे, जिसकी पुष्टि अब आर्थिक अपराध शाखा कर रही है।

बॉलीवुड में मौनी रॉय के साथ 21 साल की उम्र में हुआ हादसा, कहा, शख्स ने मेरा चेहरा पकड़ा और...

बॉलीवुड की चमक-दमक के पीछे एक काला सच भी है। इसके बारे में कई कलाकार बात करते रहे हैं। हाल ही में अभिनेत्री मौनी रॉय ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों की एक परेशान करने वाली घटना का खुलासा किया है। स्पाइस इट अप पर अपूर्व मुखीजा के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया लेकिन 21 साल की उम्र में उन्हें चौंकाने वाला अनुभव हुआ था। मौनी रॉय से जब पूछा गया कि क्या कभी उन्हें कास्टिंग काउच या फिर बॉलीवुड में किसी ने उनके साथ गलत व्यवहार किया? इस पर उन्होंने कहा कास्टिंग काउच तो नहीं हुआ लेकिन बदतमीजी हुई। मैं 21 साल की थी और मैं किसी के ऑफिस में गई थी, जहां ऑफिस के अंदर लोग मौजूद थे और कथा सुनाई जा रही थी। कथा में अचानक एक दृश्य आता है कि लड़की स्विमिंग पूल में गिर जाती है। फिर लड़की बेहोश हो जाती है और नायक उसे बाहर निकालता है और उसके मुंह पर अपने मुंह को रख कर उसे सांस देता है। इसके बाद लड़की होश में आ जाती है। मौनी ने आगे बताया उसी में से एक आदमी ने मेरा चेहरा पकड़ा और मुझे बताया कि मुंह से सांस कैसे देना है। उस वक्त मुझे समझ नहीं आया कि मेरे साथ क्या हुआ। मैं वहां से भाग गई। इस वाकिए ने मुझे डरा दिया। मौनी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत प्रतिष्ठित शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से की। उन्होंने 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म गोल्ड से बॉलीवुड में डेब्यू किया और बाद में रोमियो अकबर वाल्टर और मेड इन चाइना में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन - शिवा में शानदार अभिनय के लिए तारीफें बटोरी।

इस बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती हुई माही विज, पति से तलाक को लेकर सुर्खियो में थीं अभिनेत्री

टीवी एक्ट्रेस माही विज अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच खबर है कि अभिनेत्री की तबीयत बिगड़ गई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विरल भयानी के मुताबिक माही को तेज बुखार के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। माही की पब्लिसिस्ट अवंतिका सिन्हा ने पुष्टि की कि अभिनेत्री अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि माही को तेज बुखार है और वह कमजोर हो गई हैं। हाल ही में माही विज अपने पति जय भानुशाली से कथित अलगाव के कारण सुर्खियों में रहीं। ऐसी भी अफवाहें थीं कि माही जय से भारी भरकम गुजारा भत्ता ले रही हैं। बाद में, माही के एक करीबी दोस्त ने इन अफवाहों का खंडन किया। नच बलिए 5 फेम माही ने भी एक वीडियो के जरिए इन दावों को खारिज किया। कुछ घंटे पहले, माही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, वह सर्दियों के कपड़े पहने हुए और बीमार दिख रही थीं। उन्होंने अलग-अलग दवाइयों वाली एक और तस्वीर भी लगाई और लिखा, बीमार। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जय और माही काफी समय से अलग रह रहे थे। इस जोड़े ने रिश्ते सुधारने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। कुछ महीने पहले ही दोनों ने तलाक की अर्जी दी। जुलाई-अगस्त 2025 में दोनों ने तलाक के कागजात पर हस्ताक्षर कर दिए थे। तलाक की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, माही ने लोगों से उनकी और उनके बच्चों की निजता का सम्मान करने को कहा। माही विज और जय भानुशाली की शादी साल 2011 में हुई थी। साल 2017 में इस कपल ने दो बच्चों- खुशी और राजवीर को गोद लिया। अगस्त 2019 में कपल के घर बेटी तारा का जन्म हुआ। कथित तौर पर शादी के 14 साल बाद यह खूबसूरत जोड़ी अलग हो रही है। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

दिग्गज अभिनेत्री-गायिका सुलक्षणा पंडित ने 71 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा, बॉलीवुड में शोक

मशहूर अभिनेत्री और पार्श्व गायिका सुलक्षणा पंडित का बृहस्पतिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके भाई ललित पंडित ने यह जानकारी दी। सुलक्षणा71 वर्ष की थीं। सुलक्षणा को नानावटी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उन्होंने अंतिम सांस ली। ललित पंडित ने बताया, ''शाम करीब सात बजे दिल का दौरा पड़ने से सुलक्षणा का निधन हो गया। उन्होंने सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत की थी और थोड़ी अस्वस्थ लग रही थीं। हम उन्हें नानावटी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया।''सुलक्षणा ने 1975 में संजीव कुमार के साथ फिल्म ''उलझन'' से करियर शुरुआत की और फिर राजेश खन्ना, शशि कपूर और विनोद खन्ना सहित अपने दौर के लगभग सभी शीर्ष सितारों के साथ काम किया। उनकी अन्य प्रमुख फिल्में ''संकोच'', ''हेराफेरी'' और ''खानदान'' हैं। पार्श्व गायिका के रूप में भी सुलक्षणा का समानांतर और उतना ही प्रभावशाली करियर रहा और उन्होंने 'तू ही सागर तू ही किनारा', 'परदेसिया तेरे देश में', 'बेकरार दिल टूट गया' और 'बांधी रे काहे प्रीत' जैसे हिट गाने गाए। वह हरियाणा के हिसार के एक संगीत परिवार से थीं। पंडित जसराज उनके करीबी रिश्तेदार थे। 1954 में जन्मी सुलक्षणा पंडित ने बॉलीवुड में संजीव कुमार के साथ फिल्म उलझन से शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने राजेश खन्ना, शशि कपूर और विनोद खन्ना जैसे अपने दौर के शीर्ष सितारों के साथ काम किया। अपनी भावपूर्ण आवाज़ से चार्ट में शीर्ष पर रहीं पंडित एक समृद्ध संगीत विरासत वाले परिवार से ताल्लुक रखती हैं, और उनके दोनों भाई-बहनों ने संगीत जगत में अपना नाम कमाया। पंडित जसराज की भतीजी सुलक्षणा ने नौ साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था और उनके भाई-बहन जतिन, ललित और मंधीर हैं।

उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में संकोच, हेराफेरी, खानदान, धरम खंता, दो वक्त की रोटी और गोरा आदि शामिल हैं। 1978 में उन्होंने उत्तम कुमार के साथ एक बंगाली फिल्म, बंदी में अभिनय किया। उनकी डिस्कोग्राफी में तू ही सागर तू ही किनारा, परदेसिया तेरे देश में, बेकरार दिल टूट गया, बांधी रे काहे प्रीत, सात समुंदर पार, सोमवार को हम मिले, सोना रे तुझे कैसे मिलूं, ये प्यारा लागे तेरा चेहरा, जब आती होगी याद मेरी और ये प्यार किया है जैसे हिट गाने शामिल हैं। महान अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर कई श्रद्धांजलि दी गईं। जहां प्रशंसकों ने उनके सदाबहार गीतों को याद किया, वहीं अन्य लोगों ने उनकी फिल्मों को याद किया।

अजय जैन ने चाँदनी चौक वार्ड से भरा नामांकन

नई दिल्ली द्य (साहिल गौड़) दिल्लीनगर निगम के आगामी उपचुनाव में ऐतिहासिक चाँदनी चौक वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी युवा और ऊर्जावान नेता अजय जैन ने सोमवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन से पूर्व अजय जैन ने अपने निवास पर माँ श्रीमती कंचन जैन से तिलक और मुंह मीठा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने जैन लाल मंदिर और गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ रैली के रूप में नामांकन स्थल पहुँचे।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुदित अग्रवाल, दिल्ली कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी राहुल शर्मा, पूर्व पार्षद अशोक जैन, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान, ब्लॉक अध्यक्ष राहुल डाबला, मंडल अध्यक्ष के.एस. राजन, समाजसेवी मनोज गुप्ता, सत्येंद्र जैन सहित चाँदनी चौक के प्रमुख व्यापारी, धार्मिक, सामाजिक संगठनों और रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन (ऋद्ध) से जुड़े सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चाँदनी चौक में जन्मे और पले-बढ़े अजय जैन इस क्षेत्र के एक लोकप्रिय और सक्रिय नेता हैं। वे पूर्व में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

अजय जैन ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद उनका उद्देश्य ÷नया चाँदनी चौक÷ बनाना है – ऐसा क्षेत्र जहाँ गंदगी, जाम और टूटी सड़कों से मुक्ति मिले। उनका संकल्प है कि क्षेत्र में साफ-सुथरी सड़कों, बेहतर सीवरेज सिस्टम, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, यातायात प्रबंधन और सुंदर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा, ÷मेरा सपना है कि चाँदनी चौक की पहचान केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गरिमा के साथ बनी रहे।

आमंत्रण / Invitation

मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन (पंजी.)

राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2025

के शुभ अवसर पर आयोजित समारोह में आप सादर आमंत्रित हैं

दिनांक: 16 नवम्बर 2025 (रविवार) समय: प्रातः 10:00 बजे से

स्थान: प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, रायसीना रोड, नई दिल्ली

आइए, स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता की भावना को नमन करें और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के योगदान का उत्सव मनाएँ।

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित मीडिया हस्तियाँ एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे।

AJA Accredited Journalists Association (Regd.)

PCI Press Club of India

आयोजक: मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन (पंजी.) एवं प्रेस क्लब ऑफ इंडिया

बागेश्वर बाबा की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा दिल्ली से शुरु, राजा भैया होंगे शामिल, सनातनियों से एकजुट होने का किया आह्वान

नई दिल्ली। आज बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली से वृंदावन तक 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की शुरुआत की। 10 दिनी यह पदयात्रा शुक्रवार सुबह नौ बजे रवाना होकर 16 नवंबर तक चलेगी। इस यात्रा में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' भी शामिल होंगे। राजा भैया ने विश्वभर के सनातनियों से इस पदयात्रा में जुड़ने का आह्वान किया है। पदयात्रा की शुरुआत आज दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) से हुई। यात्रा से पूर्व साधु-संतों द्वारा धर्म ध्वज सौंपने, महामंडलेश्वरों के आशीर्वचन, राष्ट्रगान, हनुमान चालीसा पाठ और हिंदू एकता की शपथ जैसे कार्यक्रम होंगे। राजा भैया ने कहा कि यह यात्रा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सभी हिंदुओं की यात्रा है। उन्होंने कहा कि जातिवाद हिंदू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है, जो समाज को विभाजित करता है, और ऐसी यात्राएं सामाजिक भेदभाव मिटाने का प्रयास हैं। गौरतलब है कि राजा भैया ने वर्ष 2024 में झांसी में हुई सनातन हिंदू पदयात्रा में भी हिस्सा लिया था। उस दौरान बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने राजा भैया की प्रशंसा करते हुए उन्हें हनुमान भक्त और सनातन प्रेमी बताया था तथा उनके विनम्र स्वभाव की सराहना की थी।

राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया, धर्मेंद्र प्रधान बोले- उनका हाइड्रोजन बम हो गया निष्क्रिय

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में वोट धोखाधड़ी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने उनके आरोपों को झूठा बताया और दावा किया कि राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी, जिन्हें उन्होंने झूठा बताया, एक नया स्टार्टअप चला रहे हैं जो झूठ फैलाने और झूठे आख्यान गढ़ने पर केंद्रित है। एएनआई से बात करते हुए, धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने तीन दिन पहले एक हाइड्रोजन बम गिराने का दावा किया था। वह बम धराशायी हो गया... जो व्यक्ति खुद झूठा है और झूठे तथ्य प्रस्तुत करता है, वह एक नया स्टार्टअप चला रहा है और उसका मुख्य काम झूठी कहानी गढ़ना और झूठ फैलाना है। कांग्रेस नेता पर निजी हमला करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, वह सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं और दिवालियापन की ओर बढ़ रहे हैं... राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हो चुके हैं। ऐसे व्यक्ति को यह एहसास ही नहीं होता कि वह क्या कह रहे हैं। वह चुनाव आयोग से समय लेते हैं, लेकिन न तो आते हैं और न ही कोई तथ्य पेश करते हैं। वह केवल नाटक करते हैं। आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। यह उनका राजनीतिक चरित्र बन गया है। एक विपक्ष के नेता को यह शोभा नहीं देता।

'वंदे मातरम ने आजादी के आंदोलन को दिशा दी, स्वतंत्रता के बाद देश को एकजुट रखा : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम् ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी और स्वतंत्रता के बाद देश को एकजुट रखने का कार्य किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित 'वंदे मातरम् के 150वें वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के जो सपने थे, वे पिछले 11 वर्षों में सामूहिक प्रयासों से साकार हुए हैं। शाह ने कहा कि यह गीत बंगाली उपन्यासकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अक्षय नवमी के दिन, सात नवम्बर 1875 को लिखा था। उन्होंने कहा, ''इसी दिन बंकिम बाबू ने यह गीत सार्वजनिक किया था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरणा दी और स्वतंत्रता के बाद भारत को एक सूत्र में बांधे रखा। यह गीत सबसे पहले 'बंगदर्शन नामक साहित्यिक पत्रिका में चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'आनंदमठ के हिस्से के रूप में प्रकाशित हुआ था। शाह ने कहा कि भाजपा ने हमेशा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर बल दिया है। उन्होंने कहा ''मुझे पूरा विश्वास है कि 'वंदे मातरम् उसी राष्ट्रवाद की प्रेरक शक्ति रहा होगा। उन्होंने बताया कि ''वंदे मातरम् 150 नाम से एक सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत देशवासी इस गीत को अपनी-अपनी भाषाओं में लिखकर राष्ट्रीय एकता को सशक्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शाह ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया और कहा, ''आज से क्रमबद्ध रूप से वर्षभर विभिन्न स्थानों पर 'वंदे मातरम् गाने का अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया ''15 अगस्त 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल के अनुरोध पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने पूरा 'वंदे मातरम् गीत गाया था और 24 जनवरी 1950 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इसे राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया था। शाह ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित 'वंदे मातरम्150 कार्यक्रम के दौरान 'स्वदेशी संकल्प पत्र भी पढ़ा और 'स्वदेशी का संकल्प लिया। 'स्वदेशी संकल्प पत्र में विदेशी वस्तुओं की जगह भारतीय उत्पादों के प्रयोग, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने, लोगों में जागरूकता फैलाने, भारतीय पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देने, भारतीय भाषाओं के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और युवाओं व बच्चों में स्वदेशी की भावना विकसित करने पर बल दिया गया।

SANT RAVIDAS COMMUNICATION

PRINTERS & ADVERTISERS

प्रचार-प्रसार नही तो व्यापार नही

हिन्दी, इंग्लिश समाचार-पत्रो में

कोर्ट/पब्लिक नोटिस, गुमशुदा, शुभकामनाएँ, श्रद्धांजली, अपील, खोया-पाया, बेदखली नामा, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, जन्मदिन, शुभविवाह व अन्य क्लासीफाइड विज्ञापन प्रकाशित/छपवाने के लिए संपर्क करे:-

FLAX & ALL PRINTING WORKS

फ्लैक्स बोर्ड, न्यूजपेपर, मैगजिन, पोस्टर, बेनर, हैंड बिल व शादी कार्ड व अन्य सभी प्रकार कि प्रिंटिंग करवाने के लिए संपर्क करे।

विज्ञापन, साईन बोर्ड, पोल बोर्ड, ऑटो रिक्शा फ्लैक्स, राजनैतिक प्रचार-प्रसार, टीवी चैनलो, यू-ट्यूब व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करे।

Add: B-2-444, Near by BUDDH TEMPLE, Sultanpuri, Delhi-86

Mo. 9717900181, E-Mail: santravidascommunication@gmail.com

दिल्ली के इंदिरा गांधी पर दिखी Digital India की अलग तस्वीर, सर्वर डाउन होते ही पूरा आसमान ठहर गया

नई दिल्ली। देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज सुबह यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल का सर्वर अचानक ठप हो गया। इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण 100 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं और कई घंटों तक उड़ान संचालन में अफरातफरी मची रही। सुबह करीब 8 बजे से एयरपोर्ट पर भीड़ बढ़ने लगी, क्योंकि ATC का स्वचालित संदेश प्रणाली बंद हो गया था। मजबूरन, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को उड़ानों की क्लियरेंस और लैंडिंग-डिपार्चर मैनुअली संभालनी पड़ी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने बयान जारी कर कहा, तकनीकी दिक्कत के कारण ATC का AMSS सिस्टम काम नहीं कर रहा है। कंट्रोलर्स फिलहाल मैनुअली फ्लाइट प्लान प्रोसेस कर रहे हैं। हमारी तकनीकी टीम इसे जल्द बहाल करने में जुटी है। यात्रियों के सहयोग के लिए हम आभारी हैं। इसी बीच, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने भी सुबह 8:34 बजे पुष्टि की कि समस्या ऑटो सिस्टम में तकनीकी खामी की वजह से है, और सभी एजेंसियां मिलकर स्थिति को सामान्य करने की कोशिश कर रही हैं। उधर, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्सों में फ्लाइट ऑपरेशन्स पर असर पड़ा है। कंपनी ने यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की और कहा कि हमारी ग्राउंड और केबिन टीमें आपकी असुविधा कम करने की पूरी कोशिश कर रही हैं। एयर इंडिया ने भी इसी तरह का बयान जारी करते हुए कहा कि यह व्यवधान अप्रत्याशित है और हमारे नियंत्रण से बाहर है, लेकिन यात्रियों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। सुबह 9 बजे तक दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे पर लंबी कतारें थीं। कई विमान हवा में होल्डिंग पैटर्न में घूमते रहे जबकि कुछ को नज़दीकी एयरपोर्ट्स की ओर डायवर्ट किया गया।

इससे उत्तर भारत के एयर रूट्स पर भी व्यापक असर पड़ा। देखा जाये तो दिल्ली एयरपोर्ट की इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत की हवाई सुरक्षा व्यवस्था इतनी नाजुक है कि एक सर्वर डाउन होते ही पूरा सिस्टम रुक जाए? यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि प्रबंधन और आकस्मिकता की विफलता का प्रतीक है। जिस देश में हर मिनट हवाई यात्रियों की संख्या लाखों में पहुँच रही है, वहाँ अगर सबसे अहम हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली ही एक सर्वर पर निर्भर हो, तो यह सुरक्षा का गंभीर खतरा है। सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटीज़ बार-बार डिजिटल इंडिया और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करती हैं, लेकिन जब ATC जैसी संवेदनशील व्यवस्था में बैकअप सर्वर, ऑटो-स्विचिंग या क्लाउड सिंक्रोनाइज़ेशन जैसी बुनियादी व्यवस्थाएँ नहीं हैं, तो यह स्मार्ट सिस्टम की पोल खोल देता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि एटीसी के तकनीकी ठप पड़ने का मतलब केवल देरी नहीं है– यह सुरक्षा से जुड़ा मामला है। जब विमान हवा में हैं और कंट्रोल सिस्टम डाउन हो जाए, तो हर सेकंड मायने रखता है। मैनुअल ऑपरेशन जोखिमपूर्ण होता है, और ऐसी स्थिति में किसी भी मानवीय त्रुटि की कीमत बहुत बड़ी हो सकती है। यह घटना यह भी बताती है कि भारत के एयर ट्रैफिक नेटवर्क को तकनीकी उन्नयन की सख्त जरूरत है। इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस को जिस पेशंस की अपील करनी पड़ती है, वह असल में सिस्टम की मजबूरी की स्वीकारोक्ति है। सरकार और AAI के लिए जरूरी सबक की बात करें तो Backup redundancy system हर बड़े एयरपोर्ट पर सक्रिय और स्वत कार्यशील होना चाहिए। साथ ही Periodic stress testing और disaster simulation drills केवल कागज़ों में नहीं, वास्तविक रूप में लागू होनी चाहिए। इसके अलावा, Data mirroring & real-time monitoring की व्यवस्था केंद्रीय सर्वर से सुनिश्चित की जाए। साथ ही यात्रियों की सूचना प्रणाली पारदर्शी और त्वरित हो ताकि अफवाहें या घबराहट न फैले। बहरहाल, दिल्ली एयरपोर्ट की सुबह की यह गड़बड़ी केवल एक तकनीकी घटना नहीं थी, यह टेक्नोलॉजी पर अंधे भरोसे की चेतावनी थी। जिस देश ने चाँद और मंगल तक पहुँच बनाई है, वहाँ अपने ही आसमान में उड़ानें इसलिए रुक जाएँ क्योंकि सर्वर डाउन है, यह अस्वीकार्य है। भारत को केवल डिजिटल नहीं, सुरक्षित और भरोसेमंद टेक्नोलॉजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरत है वरना अगली बार टेक्निकल ग्लिच सिर्फ़ देरी नहीं, त्रासदी भी बन सकती है।

अहमदाबाद प्लेन हादसे में पायलट की गलती नहीं, 91 साल के पिता को सुप्रीम कोर्ट ने कहा- खुद पर बोझ मत रखिए

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने एयर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के पायलट-इन-कमांड दिवंगत कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कर राज सभरवाल द्वारा दायर एक याचिका पर केंद्र, डीजीसीए और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। यह विमान जून में अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और इसमें 260 लोग मारे गए थे। याचिका में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में निष्पक्ष, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ जाँच की माँग की गई है। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह दुर्घटना हुई, लेकिन आपको यह बोझ नहीं उठाना चाहिए कि आपके बेटे को दोषी ठहराया जा रहा है। न्यायमूर्ति कांत ने आगे स्पष्ट किया कोई भी उसे दोषी नहीं ठहरा सकता। भारत में कोई भी यह नहीं मानता कि यह पायलट की गलती थी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि प्रारंभिक एएआईबी रिपोर्ट में पायलट की ओर से किसी भी तरह की गलती का संकेत नहीं दिया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने तर्क दिया कि विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो की चल रही जाँच स्वतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं विमान के कमांडर का पिता हूँ... मेरी आयु 91 वर्ष है। यह एक गैर-स्वतंत्र जाँच है। इसे स्वतंत्र होना चाहिए था। इसमें चार महीने लग गए हैं। उन्होंने न्यायालय से विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जाँच) नियम के नियम 12 के तहत न्यायिक निगरानी में जाँच का आदेश देने का आग्रह किया। शंकरनारायणन ने बोइंग विमानों से जुड़े लगातार वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर भी प्रकाश डाला। पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा उद्धृत वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विचार किया, जिसमें कथित तौर पर पायलट की गलती का संकेत दिया गया था। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स भारत में न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करेंगी। न्यायमूर्ति कांत ने रिपोर्टिंग को घृणित बताया और दोहराया, भारत में कोई भी यह नहीं मानता कि यह पायलट की गलती थी।

हाउडी मोदी का अब क्या कहना है? ट्रंप ने भारत-पाक संघर्ष को लेकर दोहराए दावे तो कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेरा

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने और रूस से तेल खरीद कम करने को लेकर दिए जा रहे बयानों पर कांग्रेस ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी के नेता जयराम रमेश ने पूछा कि इस सब पर हाउडी मोदी' क्या कहेंगे? कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, ट्रंप ट्रैकर आज सुबह 59 पर पहुंच गया है। उन्होंने दोहराया- 1. उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 24 घंटे के भीतर व्यापार और शुल्क के दबाव से रोका। 2. भारत ने लगभग रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। 3. वे प्रधानमंत्री मोदी से बात करते हैं, जो उन्हें भारत आने का निमंत्रण दे रहे हैं। संभवतः अगले साल तक। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि इस सब पर हाउडी मोदी क्या कहेंगे? बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में फिर दोहराया कि उन्होंने मई में टैरिफ को हथियार बनाते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को रोका था। उन्होंने कहा, आठ युद्धों में से जिनको मैंने खत्म किया, उनमें से पांच या छह मैंने आयात शुल्क (टैरिफ) के जरिए खत्म किए।

उदाहरण के तौर पर देखें- भारत और पाकिस्तान लड़ने लगे थे, दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। वे एक-दूसरे पर हमले कर रहे थे। आठ विमान गिराए गए। और मैंने कहा, 'अगर तुम लोग लड़ते रहोगे, तो मैं तुम पर शुल्क लगा दूंगा।' इस तरह मैंने 24 घंटे में मैंने युद्ध खत्म करा दिया। ट्रंप ने शुल्क को महान राष्ट्रीय रक्षा करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि वे अगले साल भारत की यात्रा कर सकते हैं और मोदी के साथ वार्ताएं अच्छी चल रही हैं। उन्होंने कहा, सब ठीक चल रहा है। उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी) लगभग रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। वे मेरे मित्र हैं, हम बात करते रहते हैं। वे चाहते हैं कि मैं भारत आऊं, और मैं आऊंगा। मेरा पिछला भारत दौरा शानदार था। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अगले साल भारत जाने की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, हो सकता है, हां।

एक्सप्रेसवे पर हो पेट्रोलिंग, स्कूलों में फेंसिंग जरूरी... आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि सभी आवारा कुत्तों को शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों के परिसरों से हटाया जाए। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नसबंदी के बाद ऐसे कुत्तों को उसी क्षेत्र में वापस नहीं भेजा जाना चाहिए। अदालत ने सभी रायों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर निकायों को एक और कड़ा निर्देश जारी किया। उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों, राय राजमार्गों और अन्य सड़कों से आवारा पशुओं को हटाया जाए। पीठ ने रायों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक समर्पित राजमार्ग गश्ती दल गठित करने का भी आदेश दिया, जो सड़कों पर ऐसे मवेशियों को पकड़ेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें आश्रय गृहों में पहुँचाया जाए, जहाँ उनकी उचित देखभाल की जाएगी। यह निर्देश देश भर में कुत्तों के काटने के मामलों पर पीठ द्वारा की जा रही स्वतः संज्ञान कार्यवाही के तहत जारी किया गया है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने आदेश दिया कि इन स्थानों से आवारा कुत्तों को उठाने की ज़िम्मेदारी संबंधित स्थानीय स्व-सरकारी निकायों की होगी। उन्हें पशु जन्म नियंत्रण नियमों के तहत नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को निर्दिष्ट आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करना होगा। न्यायालय ने कहा कि इन कुत्तों को वापस उसी स्थान पर छोड़ने से इस प्रक्रिया का पूरा उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। न्यायालय ने कहा कि इसकी अनुमति देने से ऐसे संस्थानों को आवारा कुत्तों की उपस्थिति से मुक्त करने का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। पीठ ने सभी रायों और केंद्र शासित प्रदेशों को दो हफ़्तों के भीतर सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों, चिकित्सा केंद्रों, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और खेल सुविधाओं की पहचान करने का निर्देश दिया। साथ ही, आठ हफ़्तों के भीतर इन स्थानों को, अधिमानतः चारदीवारी से सुरक्षित करने का निर्देश दिया ताकि आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश न कर सकें। नियमित निगरानी और रखरखाव के लिए प्रत्येक चिन्हित स्थान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। नगर निकाय और पंचायतें कम से कम तीन महीने तक आवधिक निरीक्षण करेंगी और अनुपालन रिपोर्ट न्यायालय को प्रस्तुत करेंगी।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का संकट गहराया, सुप्रीम कोर्ट 12 नवंबर को मामले की करेगा सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहराता जा रहा है और हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुँच गई है। विशेषज्ञों और अधिकारियों ने वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन और औद्योगिक प्रदूषण के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने को भी इसमें प्रमुख भूमिका निभाने वाला बताया है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय 12 नवंबर को वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई करेगा। कार्यवाही के दौरान, वकीलों ने स्थिति की गंभीरता पर ज़ोर देते हुए कहा, जैसा कि अदालत को पता होगा, एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ रही है। 3 नवंबर को अदालत ने आयोग और सीपीसीबी को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। इस मामले की सुनवाई के लिए अभी तक कोई निश्चित तिथि निर्धारित नहीं की गई है। सुनवाई सोमवार को हो सकती है। यह अत्यावश्यक है और हमें वास्तव में नहीं पता कि शहर की हवा लगातार खराब होती जा रही है, जबकि क्या हो रहा है। दो दिनों के थोड़े सुधार के बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुँच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कड़ी कार्रवाई के बिना, निकट भविष्य में राहत मिलना मुश्किल है। प्रदूषण में हालिया वृद्धि दिल्ली में वर्षों बाद पहली बार ग्रीन दिवाली मनाने के बाद हुई है। इस त्यौहार से पहले सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 20 अक्टूबर के बीच दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी, लेकिन केवल दो विशिष्ट समयावधियों के दौरान सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक। हालाँकि, कई निवासियों ने इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। इसके अतिरिक्त, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय और राय प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को 14 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक प्रतिदिन वायु गुणवत्ता की निगरानी करने और नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

विद्यार्थियों को समझाईं जियोटेक्निकल एक्सप्लोरेशन की बारीकियां

मुरादाबाद। एआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में जियोटेक्निकल एक्सप्लोरेशन एंड सैंपलिंग टेक्निक्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तनवीर अली, डायरेक्टर एलिस कंसल्टेंट एंड इंजीनियरिंग प्रा.लि., ओखला उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. रोहित गर्ग एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज चौधरी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री तनवीर अली का स्वागत संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. रोहित गर्ग, विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज चौधरी तथा डॉ. राहुल सिंह ने पुष्पगु'छ भेंट कर किया। कार्यशाला में बहुत से विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जो गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज मुरादाबाद तथा बिजनौर से आए थे। उनके साथ कई फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज चौधरी कार्यशाला के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात मुख्य अतिथि तनवीर अली ने छात्रों को जियोटेक्निकल एक्सप्लोरेशन और सैंपलिंग तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया तथा फील्ड में इनके उपयोग की प्रक्रिया समझाई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी छात्रों को निदेशक प्रोफेसर डॉ. रोहित गर्ग के करकमलों द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। विभाग के फैकल्टी में डॉ. सपना कुमारी, चंद्रकांत कुमार, वैभव सक्सेना तथा गैर-शैक्षणिक स्टाफ में अभिनय मिश्रा (लैब सहायक), मोहम्मद वसीम (ऑफिस असिस्टेंट) एवं सचिन कुमार (लैब अटेंडेंट) उपस्थित रहे।

'वंदेमातरम्' गीत में त्याग और समर्पण की भावना निहितः भूपेन्द्र सिंह

मुरादाबाद।

भारतीय जनता पार्टी महानगर के तत्वावधान में भारत के राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम के गौरव पूर्ण 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य उत्सव के रूप में आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी शामिल रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा.राजेंद्र प्रसाद ने 1950 में वन्देमातरम गीत को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया । भाजपा पूरे प्रदेश में वंदेमातरम वर्षगांठ पर वंदेमातरम सभा एवं गायन का आयोजन कर रही है। कहा कि स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहे वन्देमातरम गीत अब नवभारत के संकल्प का प्रतीक बन रहा है यह केवल एक गीत ही नहीं है बल्कि भारत की आत्मा की वह अमर पुकार है जिसने भारत को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त होने की प्रेरणा प्रदान की यह केवल मातृभूमि की स्तुति नहीं है बल्कि इसमें राष्ट्र के प्रति श्रद्धा,त्याग और समर्पण की भावना निहित है यह गीत हमें स्मरण कराता है कि हमारा राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बल्कि साझा संस्कृति भावनाओं और कर्तव्यबोध से निर्मित हुआ है राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम केवल एक गीत ही नहीं है बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है यह वह स्वर है जिसने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारत को आजादी की रहा दिखाई जब

भाजपा कार्यालय में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

जब भारत पर संकट आया यह गीत प्रत्येक भारतीय के हृदय में नई ऊर्जा और साहस और एकता का संचार करता रहा। उन्होंने आगे कहा कि आज 7 नवंबर को 18 स्थानों पर 150 कार्यकर्ता सामूहिक वन्देमातरम गायन एवं सभा आयोजित हो रहे हैं। कार्यक्रम में सभी का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने कहा कि वन्देमातरम की 150 वीं वर्षगांठ केवल इतिहास का स्मरण नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण एकता और कर्तव्यबोध के पुनः जागरण का उत्सव है।

सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए विभाग सजगः उप गन्ना आयुक्त

मुरादाबाद। उप उप गन्ना आयुक्त मुरादाबाद हरपाल सिंह ने बताया कि चालू पेराई सत्र 2025-26 हेतु विभाग सड़क दुर्घटना से जन सामान्य को होने असुविधा को रोकने के लिये पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा कि वर्तमान मे मौसम मे परिवर्तन होने व ठंड बढने से कोहरा आने के कारण कम दृश्यता होने पर दुर्घटनाओं की सम्भावना बढ जाती है जिनसे बचाव के दृष्टिगत विभाग द्वारा सभी गन्ना ढुलाई वाहनों अनिवार्य रूप रिफ्लेक्टर लगवाये जाने का कार्य कराया जा रहा है।

इसी क्रम मे आज धामपुर शुगर मिल में पैराई सत्र के शुभारंभ के अवसर पर उप गन्ना आयुक्त एंव विभागीय निर्देशों के अनुपालन में जिला गन्ना अधिकारी बिजनौर व मिल अधिकारियों के द्वारा सभी गन्ना लदे वाहनों पर रिफ्लेक्टर व लाल कपड़ा लगाने का अभियान की भी शुरुआत की गई जिससे कि सभी किसान भाई व आम जनता को दुर्घटना से बचाया जा सके। उप गन्ना आयुक्त द्वारा बताया गया कि यह अभियान पैराई सत्र के दौरान भी निरन्तर चलता रहेगा। इस सम्बन्ध मे चीनी मिल धामपुर के प्रबंधतंत्र ने यह अश्वासन भी दिया कि किसी भी गन्ना ढुलाई वाहन को बिना रिफ्लेक्टर के केन यॉर्ड में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वह यातायात के नियमों का पालन करें जिसे स्वयं भी सुरक्षित रहे और आम जनता भी सुरक्षित रहे। उप गन्ना आयुक्त ने जनसुरक्षा के लिये चीनी मिलों से सभी किसानों एवं, वाहन चालकों को निशुल्क रिफ्लेक्टर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये।

भारतीय हाकी के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर मैच का हुआ आयोजन

सिद्दीकपुर, जौनपुर।

खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ से प्राप्त निर्देश के क्रम में इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में भारतीय हॉकी को 7 नवम्बर 1925 को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ (फ्रढ्ढ॥) से जुड़ने के शताब्दी वर्ष एवं विगत में हॉकी के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास पर बालक एवं बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यह आयोजन हॉकी इण्डिया एवं यू0पी0 हॉकी के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के 75 जनपदों में आयोजित हुआ। हॉकी के गौरवशाली इतिहास की स्मृति में इन्दिरा गांधी स्टेडियम में 'इण्डियन हॉकी के 100 वर्ष' के रूप में मनाते हुए हॉकी का मैच किया गया। उक्त मैच के मुख्य अतिथि श्याम बाबू यादव जिला पंचायत सदस्य के साथ जनपद के हॉकी के वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी रूद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित थे जिन्हें क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अंगवस्त्रम प्रदान करते हुये माल्यार्पण करके स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने हॉकी के गौरवशाली इतिहास को रेखांकित करते हुये खिलाड़ियों को खेल से जुड़ने एवं कैरियर के रूप में अपनाने पर बल दिया गया। अतिथिद्वय ने हॉकी मैच में उपस्थित टीमों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात हॉकी बाल को स्टीक से मारकर हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर जौनपुर के सचिव सुधान्शु गुप्ता, हॉकी प्रशिक्षक मो0 इजहार आदि उपस्थित थे जिनका जनपद के प्रशिक्षकों द्वारा माल्यार्पण करके स्वागत किया गया। मैच में बालक वर्ग में इन्दिरा गांधी स्टेडियम की हॉकी टीम ने जनता जनार्दन इण्टर कालेज की टीम को 2-0 से पराजित किया।

बालिका वर्ग में के0के0 स्पोर्ट्स क्लब की हॉकी टीम ने एस0एस0 पब्लिक स्कूल की टीम को 3-1 से पराजित किया।

मैच में कन्हैया सिंह यादव कबड्डी प्रशिक्षक, कृष्ण कुमार यादव एथलेटिक्स प्रशिक्षक, शशि यादव बॉक्सिंग प्रशिक्षक, दिलीप कुमार वॉलीबाल प्रशिक्षक एवं निलेश यादव हैण्डबाल प्रशिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कन्हैया सिंह यादव ने किया। अन्त में क्रीड़ा अधिकारी ने उपस्थित अतिथियों एवं खिलाड़ियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

यज्ञ के साथ हुई हीरक जयंती समारोह की शुरूआत

मुरादाबाद। आर्य समाज मंदिर रेलवे हरथला कॉलोनी मुरादाबाद में आयोजित वार्षिकोत्सव हीरक जयंती समारोह के रूप में सर्वप्रथम प्रथम दिवस की प्रथम बेला की शुरुआत यज्ञ के माध्यम से की गई यज्ञ के मुख्य यजमान के रूप में अभय कुमार सिंह एडवोकेट पूर्व महासचिव बार एसोसिएशन का परिवार रहा तथा यज्ञ के ब्रह्मा पंडित सुरेश शास्त्री हिमाचल प्रदेश ने वैदिक मत्रों से यज्ञ संपन्न कराया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों की प्रतियोगिता रही जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा मंत्र एवं भाषण के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंत्र प्रतियोगिता में खुशबू, विद्यांशी, आकृति ने अपना प्रथम स्थान बनाया भजन प्रतियोगिता में वर्तिका वर्मा, कनिष्का, मोनिका प्रथम रही तथा भाषण प्रतियोगिता में ऋतिज्ञा यादव ,अर्पित सिंह, तनु गोले ने अपना उत्तम प्रदर्शन कर स्थान बनाया ब'चों की प्रतिभा का प्रदर्शन का यही उचित माध्यम है जिससे आर्य समाजो द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है आज समाज में इसकी अहम भूमिका होती जा रही है आज हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को बचाना है तो आर्य समाज को अपनाना ही होगा जिससे आने वाली पीढ़ी जागरूक हो सके। फरीदाबाद हरियाणा से पधारे पंडित प्रदीप शास्त्री ने अपने भजनों के माध्यम से सभी को उत्प्रोत कर दिया और अपनी मधुर वाणी से समाज को जागरूक करने का अपने भजनों के माध्यम से कैसे आज की युवा पीढ़ी को अच्छे मार्ग पर चलाया जाए।

जिलाधिकारी ने मुफ्तीगंज ब्लाक का किया निरीक्षण

मुफ्तीगंज, जौनपुर।

जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने खंड विकास अधिकारी के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली एवं अभिलेखों का अवलोकन किया। नैपुरा निवासी संदीप कुमार अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु कार्यालय आये थे।

जिलाधिकारी ने स्वयं ऑपरेटर के साथ बैठकर कुछ ही मिनटों में उनका प्रमाण पत्र निर्गत करवाया। इस त्वरित कार्यवाही से प्रभावित होकर संदीप कुमार ने मुख्यमंत्री जी तथा जिला प्रशासन की त्वरित और संवेदनशील कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने उन्हें अंगवस्त्रम प्रदान किया। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों के निर्गतन में किसी भी प्रकार की देरी न की जाए तथा आमजन को समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने क्षेत्र पंचायत निधि से बन रहे मीटिंग हॉल के निर्माण की प्रगति की भी जानकारी प्राप्त किया।

खंड विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि बजट की कमी के कारण कार्य अस्थायी रूप से रुका था किंतु अब बजट प्राप्त हो गया है और कार्य प्रारम्भ हो गया है। शीघ्र कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक फरियादी से शालीनता और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया जाय तथा उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। इस दौरान उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत हो रहे कार्यों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार, खंड विकास अधिकारी अस्मिता सेन, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर में फल विक्रेता को कुचला मौके पर मौत

करछना प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के करछना थाना अंतर्गत भडेवरा बाजार में फल की रेडी लगाने वाले बृजेश सोनकर की अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई ।घटना बृहस्पतिवार शाम 6:00 बजे के आसपास की बताई जा रही है जहां ट्रैक्टर ड्राइवर नशे में धुत नियंत्रण खो बैठा जैसे ही भडेवरा बाजार में मंडी के पास पहुंचा वहां पहले से रेडी पर फल का स्टाल लगाए बृजेश सोनकर मौजूद रहा। उसके ऊपर से ट्रैक्टर ने रौदते हुए पास में रहे हाई वोल्टेज बिजली के पोल से टकरा गया। जिससे बाजार में अपरा तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की जानकारी जैसे ही करछना थाना प्रभारी को मिली तो घटनास्थल पर पहुंच ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गए। वहीं मृतक बृजेश सोनकर निवासी मडहा का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को हुई तो परिजनों में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम से शुक्रवार शाम 4:00 के करीब जैसे ही मृतक बृजेश का शव घर पहुंचा तो पर जानू का रो-रो कर बुरा हाल हो गया मौजूद नात रिश्तेदार व गांव के लोगों में सन्नाटा छा गया।

एसबीआई म्यूचुअल फंड आईपीओ में बिकेगा 10फीसदी हिस्सा, साल 2026 में पूरा होने की संभावना

नई दिल्ली । एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ लाने की तैयारी में है। इसके जरिये 6 फीसदी व अमुंडी इंडिया 3.7 फीसदी हिस्सा बेचेगी। एसबीआई म्यूचुअल फंड की प्रायोजक एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट समूह की सूचीबद्ध होने वाली चौथी कंपनी होगी। एसबीआई कार्ड्स, एसबीआई लाइफ और एसबीआई पहले ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। एसबीआई ने बताया, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की अन्य प्रवर्तक अमुंडी इंडिया होल्डिंग 1.88 करोड़ इक्विटी शेयरों का विनिवेश करेगी। म्यूचुअल फंड में एसबीआई का हिस्सा 61.91 फीसदी और अमुंडी का 36.36 फीसदी है। आईपीओ 2026 में पूरा होने की संभावना है। यह देश का सबसे बड़ा फंड हाउस है जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट 11.99 लाख करोड़ रुपये है। नोएडा की एडटेक यूनिकॉर्न फिजिक्सवाला ने 3,480 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 103-109 रुपये भाव तय किया है। लिस्टिंग के बाद पूंजी 31,500 करोड़ रुपये होगी। इश्यू 11 को खुलेगा और 13 नवंबर को बंद होगा। प्रवर्तक अलख पांडे और प्रतीक बूब का कंपनी में 40.31 फीसदी हिस्सा है। निर्गम से मिली राशि में 460 करोड़ नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना पर खर्च होंगे। 548 करोड़ रुपये मौजूदा केंद्रों के पट्टे के भुगतान के लिए होंगे। 200 करोड़ सर्वर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर व 710 करोड़ रुपये मार्केटिंग पर खर्च होंगे। टेनेको क्लीन एयर इंडिया 3,600 करोड़ जुटाएगी। इश्यू 12 नवंबर को खुलेगा। इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, इसलिए कंपनी को आईपीओ से रकम नहीं मिलेगी।

एलन मस्क की 1 ट्रिलियन डॉलर की सैलरी के प्रस्ताव को मिली मंजूरी, रोबोट के साथ डांस कर मनाया जश्न

नई दिल्ली । टेस्ला के शेयरधारकों ने कंपनी के सीईओ एलन मस्क के लिए एक विशाल वेतन पैकेज को मंजूरी दे दी, जिसकी कीमत 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 83 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

कंपनी की वार्षिक बैठक में यह प्रस्ताव 75त्न से अधिक मतों के साथ पारित हुआ। यह पैकेज मस्क को टेस्ला से लंबे समय तक जुड़े रहने और कंपनी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक्स में अग्रणी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस फैसले के आने के बाद मस्क ने कहा कि मैं सभी शेयरधारकों का दिल से धन्यवाद करता हूं, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इसके साथ ही मस्क रोबोट के साथ खुशी से डांस करते हुए नजर आए।

मस्क का नाम राजनीतिक विवादों में रहा

कारोबारा के अलावा मस्क का नाम कई बार राजनीतिक विवादों में रहा है, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जैसे नेताओं के प्रति उनके समर्थन को लेकर। लेकिन यह फैसला दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा

उन पर अब भी अडिग है।

मस्क को टेस्ला से साढ़े सात जुड़े रहना होगा

इस फैसले के तहत मस्क को कम से कम साढ़े सात साल तक टेस्ला से जुड़े रहना होगा। इससे कंपनी में उनकी हिस्सेदारी लगभग 12त्न से बढ़कर 25त्न तक हो सकती है। टेस्ला की चेयरपर्सन रॉबिन डेन्होम ने कहा कि मस्क को बनाए रखना कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है, और अगर उन्होंने कंपनी छोड़ी तो शेयरों में बड़ी गिरावट आ सकती है।

मस्क का क्या कहना है?

मस्क का कहना है कि अगर टेस्ला स्वचालित ड्राइविंग और एआई में अपने लक्ष्यों को हासिल कर लेती है, तो वह दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन जाएगी। इसके साथ ही मस्क ने यह संकेत दिया है कि अगर उनकी स्वामित्व हिस्सेदारी इतनी नहीं बढ़ाई गई कि वे टेस्ला के भविष्य पर अपनी इच्छानुसार प्रभाव डाल सकें, तो वे टेस्ला छोड़ सकते हैं या पीछे हट सकते हैं।

मस्क अगर कंपनी से अलग हुए तो शेयरों में भारी गिरावट की आशंका

रॉबिन डेन्होम ने शेयरधारकों से एलन मस्क के विशाल पे पैकेज के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा कि मस्क को बनाए रखना कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मस्क कंपनी से अलग हुए तो टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा सकती है। कंपनी बोर्ड ने इस दौरान उन आलोचनाओं को भी नजरअंदाज किया है, जिनमें कहा गया था कि अरबपति मस्क के विवादास्पद राजनीतिक चेहरों से जुड़ाव का असर टेस्ला की बिक्री पर पड़ सकता है।

शेयरधारकों का भरोसा बरकरार

टेस्ला निवेशक पहले भी मस्क के पे पैकेजों के समर्थन में मजबूती से खड़े रहे हैं। 2018 में करीब 55.8 अरब डॉलर के मुआवजा पैकेज को शेयरधारकों ने मंजूरी दी थी, हालांकि डेलावेयर कोर्ट ने उस पर कई बार रोक लगाई है। नवीनतम डेलावेयर फैसले के बाद डेन्होम और टेस्ला बोर्ड ने नई रणनीति पर काम शुरू किया। अगस्त में बोर्ड ने पहले मस्क के लिए लगभग 29 अरब डॉलर का अंतरिम पे पैकेज स्वीकृत किया और फिर हाल ही में नया, कहीं बड़ा प्रस्ताव पेश किया, जिसे इस बार शेयरधारकों ने भारी समर्थन से पास कर दिया।

गिरावट के साथ खुला भारतीय शेयर बाजार; सेंसेक्स 631 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

नई दिल्ली ।

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई।

शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 631.93 अंक गिरकर 82,679.08 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 184.55 अंक गिरकर 25,325.15 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और मारुति सबसे ज्यादा गिरावट में रहीं। वहीं आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल और पावर ग्रिड लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग

सूचकांक में भारी गिरावट दर्ज की गई।

शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को अमेरिकी बाजार काफी गिरावट के साथ बंद हुए।

विदेशी और घरेलू निवेशकों की गतिविधियों ने डाला असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि वर्तमान बाजार प्रवृत्ति की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि एफआईआई की बिकवाली की तुलना में डीआईआई द्वारा कहीं अधिक खरीदारी (कल 5,283 करोड़ रुपये की डीआईआई खरीदारी बनाम 3,263 करोड़ रुपये की एफआईआई बिकवाली) के बावजूद, बाजार में गिरावट जारी है। एफआईआई द्वारा भारी शॉर्टिंग, बाजार में डीआईआई और निवेशकों की खरीदारी पर भारी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि भारत में लगातार बिकवाली और सस्ते बाजारों में पैसा लगाने की एफआईआई रणनीति की सफलता ने उन्हें इस रणनीति को जारी रखने और बाजार में शॉर्टिंग जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। शॉर्ट कवरिंग से रुझान उलट सकता है, लेकिन इसके लिए कोई तत्काल ट्रिगर दिखाई नहीं दे रहा है। लेकिन बाजारों में आश्चर्यचकित करने की अद्भुत क्षमता होती है।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 63.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत बढ़कर 63.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,263.21 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,283.91 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गुरुवार को सेंसेक्स 148.14 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 83,311.01 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 87.95 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 25,509.70 पर बंद हुआ।

राशन कार्ड वाले हो जाओ सावधान! अगर नाम नहीं हटाया तो देना पड़ेगा भारी जुर्माना

नेशनल डेस्क। कोटा जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत चलाए जा रहे गिव-अप अभियान को लेकर एक बड़ी और सख्त चेतावनी जारी की गई है। जिला रसद अधिकारी ने साफ कर दिया है कि अपात्र परिवार जो इस योजना का लाभ ले रहे हैं वे 31 दिसंबर तक स्वेच्छा से अपना नाम हटवा लें। इसके बाद भी नाम न हटाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उनसे 30.57 प्रति किलोग्राम के हिसाब से गेहूं की वसूली की जाएगी। रसद अधिकारी ने बताया कि गिव-अप अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ केवल पात्र लाभार्थियों तक ही पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो परिवार निष्कासन श्रेणी में आते हैं वे खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत राशन प्राप्त करने के पात्र नहीं हैं। अपात्र लाभार्थियों के लिए स्वेच्छा से नाम हटवाने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है।

अपात्र लोग अपने नज़दीकी राशन दुकान पर उपलब्ध स्वघोषणा प्रार्थना पत्र भरकर जमा कर सकते हैं। यदि कोई अपात्र लाभार्थी 31 दिसंबर तक नाम नहीं हटवाता है तो उनसे 30.57 प्रति किलो की दर से गेहूं की वसूली की जाएगी विभाग अब योजना की पात्रता सत्यापन प्रक्रिया को लेकर बेहद सख्त हो गया है। विभाग की ओर से डोर-टू-डोर जांच के माध्यम से पात्रता का सत्यापन किया जा रहा है और नए लाभार्थियों की पात्रता की भी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अपात्र व्यक्तियों की एक सूची तैयार की जाएगी जिसे पंचायत समितियों, नगर पालिकाओं, कलक्ट्रेट और रसद कार्यालयों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किया जाएगा। इसके साथ ही अपात्र लोगों को नोटिस जारी किए जाएंगे और नियमों के अनुसार गेहूं की वसूली के लिए विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान सुनिश्चित करेगा कि गरीबों और ज़रूरतमंदों को मिलने वाला राशन अपात्र लोगों के पास न जाए।

सोने की कीमतों में तेजी वैश्विक वित्तीय प्रणाली में बड़े बदलाव का संकेत, डॉलर-यूरो पर घट रहा भरोसा

नई दिल्ली । आर्थिक अनिश्चितता, व्यापार युद्ध और दुनियाभर में बढ़ते जोखिम के बीच सुरक्षित एसेट के रूप में सोने की कीमतों में हालिया तेजी वैश्विक वित्तीय प्रणाली में बड़े बदलाव का संकेत है। साथ ही, सोने की लगातार बढ़ती मांग राजकोषीय कमजोरियों, महंगाई के दबाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को उजागर करती है। केयरएज रेटिंग्स ने गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा, अमेरिकी डॉलर और यूरो जैसी पारंपरिक मुद्राओं को संप्रभु जोखिम एवं संरचनात्मक कमजोरियों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्राओं के प्रति भरोसे में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं, सोना राजनीतिक रूप से तटस्थ और महंगाई प्रतिरोधी मूल्य भंडार के रूप में फिर से उभरा है। मौजूदा वैश्विक हालात के बीच खासकर ब्रिक्स समूह के केंद्रीय बैंक अपने आधिकारिक नकदी भंडार रणनीतियों को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं। वे अमेरिकी डॉलर आधारित एसेट पर अपनी निर्भरता घटा रहे हैं और अपने नकदी भंडार में विविधता लाते हुए अधिक लचीला बना रहे हैं, जिसमें सोना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रणनीतिक बदलाव न सिर्फ मौद्रिक स्वायत्तता की इच्छा को दर्शाता है, बल्कि बाहरी झटकों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास का भी संकेत है। यह वैश्विक आर्थिक प्रभाव

के व्यापक पुनर्संतुलन को भी दर्शाता है।

डॉलर से लगातार दूरी बना रहे दुनियाभर के केंद्रीय बैंक

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी पिछले दो दशकों से लगातार घट रही है। 2000 में केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की हिस्सेदारी 71.1 फीसदी थी, जो 2024 में घटकर 57.8 फीसदी रह गई है। यह बताता है कि केंद्रीय बैंक डॉलर से धीरे-धीरे दूरी बना रहे हैं। केंद्रीय बैंक सक्रियता से अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहे हैं। डॉलर मूल्य वाली संपत्तियों में निवेश घटा रहे हैं और रणनीतिक विकल्प के रूप में अधिक सोना जोड़ रहे हैं।

जनवरी, 2024 से 64 फीसदी चमका सोना

हाल के महीनों में सोने की कीमतों में भारी उछाल आया है। वैश्विक बाजार में सोना सितंबर, 2025 में औसतन 3,665 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया, जो दो साल पहले की तुलना में लगभग दोगुना है। अक्टूबर में यह 4,000 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। जनवरी, 2024 से 2025 के मध्य तक मजबूत निवेशक रुझान और केंद्रीय बैंक की खरीदारी के कारण सोने की कीमतें करीब 64 फीसदी बढ़ी हैं।

ऊंची कीमतों के बावजूद घरेलू मांग मजबूत

भारत में सितंबर, 2025 में सोने का आयात 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो लगातार तीसरे महीने की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि त्योहारी सीजन में सोने की लगातार ऊंची कीमतों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग की ओर इशारा करती है। केयरएज रेटिंग्स ने कहा, बदलते वैश्विक वित्तीय परिदृश्य के बीच सोने का नया आकर्षण सिर्फ एक वस्तु के रूप में ही नहीं, बल्कि प्रमुख रणनीतिक आरक्षित एसेट के रूप में भी है।

श्री श्रवण कुमार, अधीक्षण अभियंता, पी.एम शिक्षा-2 के संरक्षण में

लो.नि.वि, शिक्षा दक्षिण-पश्चिमी अनु. डिवीजन कार्यालय बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

कार्यपालक, सहायक, कनिष्ठ अभियंता बने ''अडानी''

वर्तमान ई.ई श्री राजेश कुमार, पूर्व ई.ई श्री विनोद कुमार पाराशर, उपखण्ड-1,2,3,4 ए.ई श्री एम.के वर्मा, विजय प्रकाश मीणा, जे.ई श्री अफ़जल आलम, श्री अमित कुमार मीणा, श्री शुभम, श्री वैभव वर्मा, श्री विकास गौतम व ठेकेदार से मिलीभगत कर विधालय भवन निर्माण में बेहद घटिया निर्माण सामग्री व अतिरिक्त वस्तु (Extra Item) व निर्माण कार्य की लागात को बढ़ाकर (Deviations) कर दिल्ली सरकार के खजाने की खुली लूट की

श्री प्रवीण सूद, निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग

New School Building at Naseerpur, New Delhi

School Building at durga park, dwarka

School Building at Sector-16, Dwarka

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी, श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृहमंत्री

से विन्रम निवेदन है कि लो.नि.वि के शिक्षा दक्षिण-पश्चिम अनुरक्षण डिवीजन के कार्यालय में तकरीबन चार वर्षो से किराए गए व कराए जा रहे है विधालयों के भवन निर्माण कार्यो की जांच सीबीआई से कराने के आदेश करो।

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता स्कूलों निर्माण कार्यो में घटिया निर्माण सामग्री, Extra Item, Deviations कर बने 'अडानी'

करोड़ो रूपये की बेनामी सम्पत्ति खरीदी अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम, महंगी-महंगी लग्जरी कारों से चलते है, स्वयं व इनके परिवार एप्पल का मोबाईल व लेपटॉप और पी.पी.डिजाईनर के कपड़े, रोलेक्स की घड़ी, बूची के जूते, लग्जरी कारो स्वंय व परिवार के लिए प्राईवेट ड्राइवर 20-20 हजार प्रतिमाह, शाम का डिनर बड़े रेस्टुरेंट, होटल और क्लबों और लाखों की ज्वैलरी और अडानी की तरह आलीशान जिन्दगी जी रहे है।

निवेदकः अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

Email: abnmdp@gmail.com